व्यापार योजना

आय सृजन गति विधि - बुनाई

स्वयं सहायता समूह -   स्वयं सहायता समूह गायत्री कटोटी- 2

स्वयं सहायता समूह	::	स्वयं सहायता समूह गायत्री कटोटी- 2
ग्रामीण वन विकास समिति	::	कटोटी अणु
वन परिक्षेत्र	::	सराँह
वन मण्डल	::	चौपाल

वित पोषित-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाइका सहायता प्रदान की)

सामग्री तालिका

क्रमांक संख्या	विवरण	पृष्ठ/सं।
1	कार्यकारिणी सारांश	3-4
2	स्वयं सहायता समूह की जानकारी	4
3	स्वयं सहायता समूह के सदस्यों का ब्योरा	5
4	गांव की भौगोलिक स्थिति	5
5	समूह के गठन को गतिविधि का परिपेक्ष	6
6	उत्पादन की प्रक्रिया का विवरण	6
7	विपणन	6
8	श्रम का वितरण	6
9	शक्ति, दुर्बलता, अवसर व जोखिम का विश्लेषण (SWOT Analysis)	6-8
10	उधम हेतु अनुमानित मशीन एवं उत्पाद के मूल्य की गणना /आकलन	8
11	निर्धारित बिक्री से मासिक औसत आय	8-9
12	लागत लाभ - विश्लेषण (मासिक)	9
13	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	10
14	प्रशिक्षण क्षमता निर्माण कौशल सृजन	10
15	निगरानी विधि	11
16	टिप्पणियां	11
17	समूह के सदस्य , तस्वीरें	12
18	प्रमाण पत्र	13

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश कुदरती सुंदरता और समृद्धि, संस्कृति व धार्मिक धरोहर से भरपूर है। राज्य में विविध परितंत्र नदियाँ घाटियाँपाई जाती है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है। हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाड़ियों से लेकर मध्य हिमालयका क्षेत्रऊँचाई और ठंडे ज़ोन का क्षेत्र है। राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से सात जिलों में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जायका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमेशिमला जिला भी शामिल है।

वन्यप्राणी मंडल शिमला में शिमला,चौपाल,ठियोग, जुब्बल, कोटखाई वन परिक्षेत्रों में स्थापित जैव विविधता प्रबंधन कमेटियों में इस परियोजना में उप समितियां बनाई गई है और अभी तक प्रथम चरण की उप समितियों में प्रत्येक उप समिति में दो दो स्वयं सहायता समूह जिसमें अधिकतर महिलाएं हैं का गठन किया जा चुका है

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जायका (JICA)प्रारंभ होने पर जैव विविधता प्रबंधन कमेटी के द्वारा उप समिति की सूक्ष्म योजना बनाई गई है। इस उपसमिति में महिलाओं का स्वयं सहायता समूह गठित किया गया हैं। जिसमें स्वयं सहायता समूह **गायत्री कटोटी -2** भी शामिल हैं । समूह की महिलाओं ने अपनी आजीविका के साधन को बढ़ाने के लिए स्वेटर, जुराब, टोपी, मफलर, कोटी आदि की बुनाई करने की गतिविधि का चयन किया।

उप समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है, परंतु अधिकतर परिवारों की औसत भूमि बहुत कम है। अन्य संसाधन कम व दूर होने के कारण विशेषकर महिलाओं की आजिविका में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। यहाँ के लोग मुख्यता गेहूं, मक्की, जौ व दालों की खेतीकरने के साथ सब्जी उत्पादन तथा सेब, पलम,खुमानी इत्यादि नकदी फसलें उगाते हैं। परंतु आय का अतिरिक्त साधन जुटाने के लिए स्वयं सहायता समूह **गायत्री कटोटी -2** ने बुनाई का कार्य करके अपनी आजीविका बढ़ाने का निर्णय लिया है।

स्वयं सहायता समूह का गठन दिनांक **07-01-2022** हो चुका था। इस समूह में कुल (**07**) सदस्य हैं और सभी महिलाएं है इस समान सूची समूह को परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह को दी जाने वाली सभी प्रकार की सहायता से अवगत कराया गया और समूह की महिलाओं ने विस्तार से चर्चा करने पर स्थानीय प्रचलन एवं नवीनतम फैशन के अनुसार धागों से निर्मित महिलाओं पुरुषों को बच्चों के गर्म वस्त्रों की बुनाई करने का निर्णय लिया।

वैसे तो अधिकतर महिलाएं हाथ से बुनाई में दक्ष होती है, परंतु परियोजना की सहायता से प्रारंभ में स्वेटर जुराब, टोपी,कोटी,मफलरआदि की मशीनों पर बुनाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसपर लगभग ₹ **4000** की राशि प्रति सदस्य पर एक महीने के परीक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। यद्यपि समूह में

शामिल सभी महिलाएं सामान्य जाति से हैं तथा आर्थिक रूप से अत्यंत निर्धन परिवारों से संबंध रखती है। अतः पूंजीगत व्यय का **75**% भाग भी परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 1,00,000 रिवॉल्विंग फंड दिया जाएगा। रिवॉल्विंग फंड से उन्हें आवश्यकता पड़ने पर बैंक से ऋण लेने में सहायता मिलेगी। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण ये महिलाएं बैंक ऋण लेने में संकोच कर रही है। अतः उन्होंने आवश्यक पूंजीगत व्यय को

नगद जमा करके स्वयं उठाने का निर्णय लिया है। समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तों के हिसाब से कार्य का आपसी बंटवारा करेंगे तथा समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का बंटवारा करेंगे।

सदस्यों के पास आय सृजन के इस गतिविधि पर काम करने के लिए नवंबर से मार्च तकपर्याप्त समय होगा जबकि अन्य महीनों में खेती से संबंधित काम चरण पर होंगे। जिसके कारण सर्दी के महीनों की तुलना में कम समय मिलेगा इस प्रकार समूह के सदस्य औसत प्रतिदिन पांच **5-6** घंटे का समय निकालकर आजीविका बढ़ाने की इस गतिविधि को चलाएंगे।

2. स्वयं सहायता समूह की जानकारी।

स्वयं सहायता समूह का नाम	**स्वयं सहायता समूह गायत्री कटोटी -2**
ग्रामीण वन विकास समिति नाम	**कटोटी अणु**
वन परिक्षेत्र	**सराँह**
वन मंडल	**चौपाल**
गांव	**कटोटी**
जिला	**शिमला**
समूह के सदस्यों की संख्या	**07**
समूह के गठन की तिथि	**07-01-2022**
बैंक खाता संख्या	**40510115704**
बैंक तथा शाखा का नाम	**H P S C BANK**
समूह के मासिक बचत की दर	**100 /-**
समूह की कुल बचत	**7700**
समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण	------
समूह के सदस्यों द्वारा वापस किए ऋण की स्थिति	-------

3 समूह के सदस्यों का ब्योरा

क्र स	लाभार्थी का नाम	पिता/ पति का नाम श्री	पद	शिक्षा	आयु	श्रेणी	गांव	संपर्क
1	राधा देवी	W/o राम दत्त	प्रधान	12th	35	सामान्य	गाँव- कटोटी	88944-15623
2	उमा देवी	W/o अनिल दन्त	उप प्रधान	12th	27	सामान्य	गाँव- कटोटी	98165-16436
3	श्यामा देवी	W/o विरेन्द्र दन्त		12th	32	सामान्य	गाँव- कटोटी	78184-50351
4	सुमन	W/o विपिन शर्मा	कोषाध्क्ष	12th	27	सामान्य	गाँव- कटोटी	98051-87204
5	सुमन	W/o गोपाल शर्मा	सदस्य	12th	28	सामान्य	गाँव- कटोटी	98055-48363
6	अनुजा शर्मा	W/o विनोद शर्मा	सदस्य	12th	27	सामान्य	गाँव- कटोटी	85805-27964
7	सुमन कुमारी	W/o लोकिन्दर शर्मा	सदस्य	12th	37	सामान्य	गाँव- कटोटी	98054-39763

4. गांव की भौगोलिक स्थिति।

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	107 किलोमीटर
4.2	मुख्य सड़क से दूरी	02 किलोमीटर
4.3	स्थानीय बाजार का नाम व दूरी	चौपाल 09 किलोमीटर
4.4	मुख्य बाजार का नाम से दूरी	नेरवा,18 KM चौपाल 07 किलोमीटर
4.5	अन्य मुख्य शहरों से दूरी	शिमला 107 किलोमीटर
4.6	बाजार जहां उत्पादों की बिक्री की जाएगी	सराँह , चौपाल , नेरवा, ठियोग, शिमला

5. समूह के गठन को गतिविधि का परिपेक्ष

क.व्यवसाय योजना की आवश्यकता

गायत्री कटोटी -2 गांव कटोटी वन परिक्षेत्र सराँह , में पड़ता है इस गांव में महिलाओं का पहले से भी ग्रुप था समूह की महिलाओं ने बुनाई का ही कार्य करने का निर्णय लिया है परियोजना के कार्यों की शुरुआत में लोगों से बातचीत करते हुए उन्हें परियोजना में इस प्रकार के समूह को परियोजना द्वारा प्रोत्साहन की व्यवस्था के बारे में बताया गया, व महिलाओं के रुचि दिखाने पर परियोजना में स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया स्वयं सहायता समूह गायत्री कटोटी -2 की सभी महिलाएं बुनाई का काम करके अपनी आजीविका को बढ़ाना चाहती है समूह की अधिकतर महिलाएं पहले से हाथ की सिलाई से बुनाई का कार्य करती है परंतु बुनाई की मशीनों से प्रत्येक वस्तु को बनाने में कम समय लगेगा महिलाओं के पास बुनाई की मशीन नहीं है और ना ही मशीन की बुनाई में प्रशिक्षित है।इन कारणों से अपनी आजीविका को इस कार्य में लगे समय के अनुपात में नहीं बड़ा पा रही है इसीलिए महिलाओं ने समूह के माध्यम से परियोजना में से बुनाई की मशीनों तथा उच्च परीक्षण की मांग की है

ख.योजना के उद्देश्य

- **समूह के सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना।**
- **लोगों के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना।**
- **उत्पाद को उचित बाजार से जोड़ना।**
- **सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना।**
- **बुनाई की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना।**
- **आजीविका की बढ़ोतरी।**

ग. व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल

- **महिला व पुरुषों के स्वेटर, कोटी, जुराब ,मफलर, टोपी ,बच्चों के गर्म वस्त्र आदि की मशीन पर बुनाई करेंगे।**

घ. व्यवसाय योजना के कार्यों का विवरण

a) सामुदायिक गतिशीलता:-इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामाजिक गतिशीलता के उपरांत आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थियों की छंटनी की गई है।

b) क्षमता का निर्माण:- लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण कराया जाना आवश्यक है जिस पर होने वाले व्यय का प्रावधान परियोजना द्वारा किया जाएगा।`

c) सिलाई मशीन इत्यादि का वितरण:- समूह के सभी सदस्यों को अच्छे किस्म की मशीनें उपलब्ध करवाई जाए ताकि कम समय में अधिक कार्य कर सके तथा विक्रय योग्य सफाई भी उत्पादों में दिखे।

d) बाजार से जोड़ना:-महिलाओं के अनुसार प्रारंभ में वे अपने गांव तथा आसपास के गांव में रहने वाले लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए बुनाई का काम करेगी जिससे उनके समूह की आय होने लगेगी उसके पश्चात वे बाजार में मांग के अनुसार अलग-अलग तरह के डिजाइन के पुरुषों महिलाओं व बच्चों के लिए गर्म धागों से बुने वस्त्र बनाकर निकट के बाजारों में बेचेगी अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व निजी सोसाइटी से [illegible] लिए तैयार है।

e) वित्तीय संस्थानों एवं संबंधित विभागों से जोड़ना:- व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए समूह को वित्तीय संस्थानों से जोड़ने का पर्याप्त प्रयास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया गया है तथा ऋण लेने की अवस्था में परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा ऋण पर लगने वाले ब्याज का 5% हिस्सा भी परियोजना की ओर से सीधे बैंक को चुकाया जाएगा

f) बाजार की जानकारी:- सिले सिलाए परिधानों की मांग के अनुसार बनाने की संभावनाओं को तलाशा जाएगा आसपास के गांव में और निकट के कस्बों में विक्रय किया जाएगा।

i. अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :-

क. समूह की महिलाएंअत्यंत निर्धन परिवारों से होने के कारण पूंजीगत व्यय का 75% भाग परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगा, शेष भाग सदस्यों द्वारा वहन किया जाएगा इसके अतिरिक्त आवर्ती व्ययको समूह अपनी बचत राशि से, रिवाल्विंग फंड में से अथवा बैंक ऋण लेकर कार्यों को आगे बढ़ाएगा।

ख. कुल कार्यकर्ता 07 सदस्य।

ग. तकनीकी सहायता गांव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान किया जाएगा ।

6. उत्पादन की प्रक्रिया का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी जुराबे इत्यादि की बुनाई का प्रशिक्षण किसी कुशल संस्था अथवा संस्थान द्वारा दिया जाएगा स्वयं सहायता समूह गायत्री कटोटी -2 के 07 सदस्य यह कार्य करेगी परीक्षण के उपरांत समूह इस कार्य को मांग के अनुसार अधिक स्तर प करेगी।

7.विपणन

7.1	संभावित कार्यक्षेत्र	समीप के गांव व समीप के बाजार नेरवा, चौपाल, शिमला इत्यादि।
7.2	संभावित कार्यों का अनुमान	कोटी,स्वेटर ,बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि।
7.3	ऋतु परिवर्तन अनुसार कार्य की संभावना	यह कार्य साल भर होगा यद्यपि गर्मियों के लगभग 4 माह मांग कम होगा।
7.4	चिन्हित ग्राहक	गांव व कस्बों की महिलाएं, पुरुष, व बच्चे, अधिकांश तैयार वस्तुओं के क्रेता पर्यटक होंगे।
7.5	कार्य की उपलब्धता हेतु रणनीति	सीधा संपर्क स्थापित हस्त कला के शोरूम दुकानों में उत्पाद की बिक्री या बुनाई का काम लेना
7.6	प्राथमिकताएं	कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी जुराबे इत्यादि इसके अतिरिक्त गरम धागों के मफलर स्कार्फइत्यादि की बुनाई भी मांग के अनुसार

8.श्रम का वितरण

समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे तथा किए गए कार्यों के अनुपात में प्राप्त आय का वितरण करेंगे। इस समय विचार है कि स्वयं सहायता समूह के सभी सदस्य हर प्रकार का काम करेंगे, परंतु बाजार की मांग के अनुसार बुनी जाने वाली वस्तुओं में क्या-क्या बनाना है निर्भर करेगा। इस व्यवसाय योजना में तैयार किए जाने वाले वस्तुओं की संख्या संकेतिक मात्र है जो बाजार की मांग के अनुसार

निर्धारित होगा। कार्य का बंटवारा एवं प्रत्येक सदस्यों की रूचि दक्षता तथा दिए जाने वाले समय पर निर्भर करेगा सभी सदस्य बारी-बारी लेन-देन का हिसाब रखेंगे।

9.शक्ति, दुर्बलता, अवसर व जोखिम का विश्लेषण (SWOT ANALYSIS)

शक्ति:-

1. सभी समूह सदस्य समान व अनुकूल सोच रखते हैं
2. समूह के सदस्य छोटे पैमाने पर बुनाई का कार्य करेंगे

दुर्बलता:-

1. स्वयं सहायता समूह के लिए नया काम है
2. समूह में मशीन पर कार्य करने का अनुभव नहीं है

अवसर:-

1. समूह को बड़े स्तर पर काम मिल सकता है यदि वे सफाई गुणवत्ता आदि पर ध्यान रखें।
2. स्थानीय बाजारों में गर्म वस्त्रों की मांग ठंडा क्षेत्र होने के कारण अधिक है।
3. परियोजना द्वारा बुनाई की मशीन इत्यादि खरीदने के लिए 75% सहायता उपलब्ध है।
4. परियोजना द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण मौके पर प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा करवाया जाएगा।

जोखिम:-

1. समूह में आंतरिक टकराव होने पर समूह का कार्य प्रभावित हो सकता है।
2. मांग व पारदर्शिता के अभाव में समूह टूटने की संभावना हो सकती है।
3. फैशन के अनुसार परिवर्तन ना करें तो काम की मात्रा प्रभावित हो सकती है।
4. अनुभवी व कुशल कारीगरों से स्पर्धा में खरे उतरना होगा।

10..उधम हेतु अनुमानित मशीन एवं उत्पाद के मूल्य की गणना /आकलन

पूंजीगत लागत

क्रमांक	गतिविधि	संख्या	अनुमानित मूल्य	कुल व्यय
1	बुनाई की मशीन	03	30000	90000
2	बुनाई की डिजाइन किताब	5	1500	7500
3	गोला बनाने की मशीन	3	1200	3600
	कुल पूंजी लागत			101100/-

- अन्य छोटा आवश्यक सामान महिलाएं स्वयं उपलब्ध कर रही है

आवर्ती लागत

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	इकाई लागत	कुल पूंजी

संख्या.					
1	कमरे का किराया	प्रतिमाह	1	2000	**2000**
2	पानी और बिजली शुल्क	प्रतिमाह	1	1000	**1000**
3	बुनाई का धागा	प्रतिमाह	L / S	80000	**80000**
4	पैकेजिंग्स	प्रतिमाह	L / S	2000	**2000**
5	परिवहन	प्रतिमाह		3000	**3000**
6	रिपेयर मशीन,	प्रतिमाह		2000	**2000**
	कुल **आवर्ती लागत**				**90000/-**

नोट : समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे इसलिए श्रमलागत को शामिल नहीं किया गया है और सदस्य उनके बीच पालन की जाने वाली कार्य सूची का प्रबंधन करेंगे ।

उत्पादन की लागत (मासिक)

क्रमांक	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	**90000/-**
2	पूंजीगत लागत पर 10% मूल्य हास (101100)	10110
	कुल योग	100110/-

11.निर्धारित बिक्री से मासिक औसत आय

क्रमांक	वस्तु का नाम	संख्या	प्रति नग लागत	कुल लागत	प्रति नग विक्रय	कुल विक्रय राशि	लाभ / प्रतिमाह
1	कोटी	40	816	32640	1300	52000	19360
2	स्वेटर	35	816	28560	1300	45500	16940
3	बच्चों के सेट	90	220	19800	350	31500	11700
4	जुराबे	90	100	9000	150	13500	4500
5	टोपी	90	100	9000	150	13500	4500
	कुल योग					**156000/-**	**57000/-**

12. लागत लाभ - विश्लेषण (मासिक)

क्रमांक	विवरण	कल
1	कल आवर्ती लागत	100110/-
2	कल विक्रय राशि	156000/-
3	शुद्ध लाभ	57000/-
4	शुद्ध लाभ का विवरण	1. पहले महीने में कुल 156000 रुपये में से एक लाख रुपये भविष्य के पुनरावर्तन के लिए रखे जाएंगे 2. कुल बिक्री में से 56000 शेष को स्वयं सहायता समूह (SHG)में के खाते में रखा जाएगा।

13

स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था

क्रमांक	विवरण	कुल पूंजी	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह (SHG)योगदान
1	कुल पूंजी लागत	**101100**	**75825**	**25275**
2	कुल आवर्ती लागत	100110		100110
3	प्रशिक्षण / क्षमता निर्माण, कौशल उन्नयन	40000	40000	
योग		241210/-	115825/-	125385/-

नोट: 1) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा और 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा
2) आवर्ती लागत–स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाना
3) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

14. प्रशिक्षण क्षमता निर्माण कौशल सृजन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन की लागत पूरी तरह से परियोजना से जुड़ी होगी। ये कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर इस परियोजना के अंतर्गत ध्यान दिया जाना है:

1) कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
2) गुणवत्ता नियंत्रण
3) पैकेजिंग और विपणन गति विधियां
4) वित्तीय प्रबंधन और संसाधन जुटाना

15.निगरानी विधि

- **ग्राम वन विकास समिति (VFDS) की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आय सृजन गति विधि (IGA) की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।**
- **स्वयं सहायता समूह (SHG) को प्रत्येक सदस्य के आय सृजन गति विधि (IGA) की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।**
  - **निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:**
  - **समूह का आकार**
  - **निधि प्रबंधन**
  - **निवेश**
  - **आय उपार्जन**
  - **उत्पाद की गुणवत्ता**

16.टिप्पणियों

19. समूह के सदस्यों की तस्वीरें

Suman Devi

Radha Devi

Uma Devi

Suman Devi

Anuja Devi

Suman Devi

Shama Devi

Prepared by: Tara Devi FTU Coordinater (S.R)

प्रमाण पत्र

बुनाई आय सृजन गतिविधि के लिए स्वयं सहायता समूह गायत्री कटोटी-2 की व्यवसाय योजना ग्रामीण वन विकास समिति के सामान्य सदन के समक्ष कटोटी-अनु को अनुमोदन हेतु प्राप्त विभिन्न सदस्यों द्वारा लम्बी चर्चा और विचार विमर्श के बाद व्यवसाय योजना को स्वयं सहायता समूह में अपनाने और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा आगे कार्यान्वयन के ये अनुमोदित किया गया

दिनांक :- 16-03-2023

स्थान:- कटोटी अनु

प्रधान / सचिव
स्वयं सहायता समूह गायत्री कटोटी-2
ग्राम पंचायत खगना, तह० चौपाल
जिला शिमला

अध्यक्ष
स्वयं सहायता समूह

Pradhan
VFDS ... Anu
G.P. Khagna Th. Chopal
Distt. Shimla (H.P.)

प्रधान
(ग्राम वन विकास समिति)

Treasurer
V.F.D.S.

कोषाध्यक्ष
(ग्राम वन विकास समिति)

Range Forest Officer
Forest Range Sarain
Chopal (H.P.)

(वि०म०यु०अधिकारी
सराँह

अनुमोदित
डी० एम० यु० अधिकारी
वन मंडल चौपाल